

out Mr. Raj Kumar wrote a letter to the General Manager stating that if his case was not rectified he would pour kerosene and burn himself. He also wrote letters to the Collector and the SP. But, nobody looked into this case. Madam, on the 12th of April, at five o'clock, he poured kerosene and burnt himself. Now, he is lying in the hospital. Madam, this is not the only case. There are many factories and mills where temporary workers are employed. The managements are extracting money from these workers to make them permanent workers. This racket is going on in this country. I know there are another 12 persons who are temporary workers. They have given notice to the authorities stating that if their grievances are not redressed, they would take the same action which Mr. Raj Kumar has taken.

Madam, through you, I request the concerned Minister to look into this matter and see that this person gets justice. Thank you.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : मैडम, अब मेरा नाम है।

उपसभापति : आपका नाम है, नम्बर आया तो पुकारेंगी।

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम, मेरा चार नम्बर पर है।

उपसभापति : 8वें नम्बर पर है आपका नाम।

श्री दिग्विजय सिंह : हमें जो दिया है, चौथा नम्बर दिया है।

उपसभापति : किसने दिया है?

श्री दिग्विजय सिंह : श्री सोहोनी ने दिया है।

उपसभापति : जो लिस्ट मेरी टेबल पर आई है

Mafia Raj la Rajasthan

श्री संजय डालमिया : (उत्तर प्रदेश) :  
उपसभापति महोदया, जिस राजस्थान में महाराणा प्रताप और रानी पद्मिनी का जन्म हुआ था, जिस राजस्थान से आज के अधिकांश जो घराने पैदा हुए, उसी राजस्थान में आज माफिया राज चल रहा है। मैं आपको एक घटना ..... (व्यवधान) ....

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) :  
पद्मिनी से क्या संबंध है ?

श्री संजय डालमिया : पद्मिनी से संबंध आपको नहीं समझ आएगा। उस राजस्थान की भूमि में, जहां महाराणा प्रताप और पद्मिनी और अधिकांश घराने निकले, आज उसी वीर-भूमि राजस्थान में माफिया राज चल रहा है और मैं उसी के बारे में बताना चाहता हूँ। ... (व्यवधान) ...

श्री अन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात) :  
आप भूल रहे हैं ... (व्यवधान) ... क्या कह रहे हैं ? ... (व्यवधान) ...

श्री संजय डालमिया : मैं आपसे नहीं पूछ रहा हूँ।

एक भाजकीय सदस्य : यह भाषाशास्त्र के प्रदेश की बात कर रहे हैं। ... (व्यवधान) ...

उपसभापति : आप लोग बैठिए। उनको परमिशन मिली है, उनको बोलने दीजिए। बोलिए। ... (व्यवधान) ...

श्री संजय डालमिया : आप सुन लीजिए, उसके बाद बात कहिए। ... (व्यवधान) ...

श्री रामदास अग्रवाल : \* ... (व्यवधान) ...

उपसभापति : अग्रवाल जी, उनको परमिशन मिली है, उनको बोलने दीजिए।

I will go by that list

\*Expunged as ordered by the Chair.

This' is not the way. (Interruptions). He has the jight<sup>^</sup>-tp.speak, He has been permitted to speak.

श्री संजय डालमिया : आप बीच में विघ्न क्यों डालते हैं ? आपको सुनने में शर्म है क्या ? ... (व्यवधान) ...

एक माननीय सदस्य : जहाँ पर\* उनकी बात कर रहे हैं । ... (व्यवधान) ...

श्री संजय डालमिया : मैं खाली बतलाना चाहता हूँ कि क्या हो रहा है । ... (व्यवधान) ... वहाँ पर माफिया राज है, हम उसके बारे में लोगों को बतलाना चाहते हैं । ... (व्यवधान) ... आप बैठकर सुनिए, आपको सुनना पड़ेगा । ... (व्यवधान) आपको सुनना पड़ेगा, मैं बोलूँगा । आपको सुनना पड़ेगा ... (व्यवधान) मैडम, आज राजस्थान में माफिया राज चल रहा है । मैं यह बतलाना चाहता हूँ कि वहाँ पर जो एक मंत्री हैं, उनका माफिया से संबंध है । अभी कुछ दिन पहले अखबार में निकला था ... (व्यवधान) पुलिस ने जिस व्यक्ति को फकड़ना चाहा तो सरकार ने उनको संरक्षण दिया ... (व्यवधान) और जब ... (व्यवधान)

उपसभापति : ... (व्यवधान) आप क्या कह रहे हैं । ... (व्यवधान) बैठिए, बैठिए, न । ... (व्यवधान) ...

श्री संजय डालमिया : यह एक हफ्ते में पहली घटना नहीं है । मैडम, इस तरह की घटनाएँ रोज हो रही हैं वहाँ पर । मैं आपको बतला सकता हूँ । ... (व्यवधान) ...

उपसभापति : एक मिनट बैठ जाइए .. (व्यवधान) एक मिनट चुप रहिए । ... (व्यवधान)

श्री राज बब्बर : आपको नहीं पता, वहाँ माफिया पगड़ी बांधकर घूमते हैं ।

उपसभापति : नथिंग इज मोइंग आन रिकार्ड । ... (व्यवधान) यह जरूरी नहीं है कि जो वह बोल रहे हैं वह आपको पसन्द आए । ... (व्यवधान) एक मिनट आप बात सुनिए । आप जो बोलते हैं वह उन्हें भी पसन्द नहीं आएगा । मगर इसका मतलब यह तो नहीं है कि आप किसी को बोलने नहीं दें । अगर उन्होंने कोई मूलतः बात कही ... (व्यवधान) चुप रहिए, बैठिए, चुपचाप । (व्यवधान)

श्री संजय डालमिया : जब पुलिस वाले ने पकड़ा तो उसको सरकार ने संरक्षण दिया ... (व्यवधान) उस पुलिस वाले को हटा दिया गया । यह कोई पहली घटना नहीं है । वहाँ पर राज इस तरह के कारनामे हो रहे हैं । तो मैडम, मैं आपके मार्फत भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि ऐसी \*राज सरकार को वहाँ पर कैसे चलने दिया जा रहा है । अगर इस तरह का वहाँ राज होगा तो वहाँ पर लोगों का रहना मुश्किल हो जाएगा । इसलिए आपके माध्यम से मैं भारत सरकार से यह कहना चाहता हूँ कि उस \* सरकार को तुरन्त बर्खास्त किया जाए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया ।

उपसभापति : मैंने अभी आपको एलाउ नहीं किया । ... (व्यवधान) बैठिए, आपको भी एलाउ नहीं किया । कटारिया जी ।

श्री वीरेन्द्र कटारिया : मैडम वाईस चेयरमैन माहिब । ... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minte... (Interruptions) Please keep quiet.- ■ (Interruptions).

SHRI RAMDAS AGARWAL:\* SHRI

JAGDISH PRASAD MATHUR:\*

SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:\*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record. . . (Interruptions) None of it is going on record till the order is restored... (Interruptions) Nothing which is unparliamentary, which he should not say... (Interruptions)! will look at the record and I will remove it... (Interruptions) Mr. Virendra Kataria... (Interruptions). Mr. Dave, please sit down. . . (Interruptions).

SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:\*

SHRI SANJAY DALMIA:\*

SHRI RAMDAS AGARWAL:\*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record and you should not be reported in the Press.. (Interruptions). Nothing is going on record without my permission. If I identify a Member because the permission is granted, he has a right to speak (Interruptions). If he has spoken anything; which is unparliamentary, I will go through the record and check it. But this is not the way that you just get up and start accusing each other. I am not going to permit it. -. (Interruptions). I cannot tolerate nonsense at all... (Interruptions) Mr. Dal'mia, I am warning you. Please don't get up without my permission and I am giving this warning to everybody. Now, Shri Virendra Kataria.

Cross neglect of ancestors! house of first President, Dr. Rajendra Prasad and need to protect and maintain as a National Monument.

**श्री वीरेन्द्र कटारिया (पंजाब) :** महोदया, मैं आपके माध्यम से हाऊस का ध्यान एक बहुत ही अफसोसजनक बात की तरफ दिलाना चाहता हूँ। डा० राजेन्द्र प्रसाद, जिनको देश प्यार से राजन बाबू कहता है, जो हमारे देश के पहले राष्ट्रपति थे। उनका जो जानी मकान है गांधी

\*Not recorded.

जिरदी, शिला सेवन में, उनके मकान को भारत सरकार ने एक नेशनल स्मारक घोषित किया हुआ है लेकिन उसके बावजूद आज उस मकान की यह हालत है कि उसकी खिड़कियां टूटी हुई हैं और उस घर में गंदगी है और हर किस्म की गलत बातें वहाँ हो रही हैं।

महोदया, जो हमारे नेशनल मॉन्यूमेंट्स हैं, वे कौम का एक भारी शानदार पास का आसास है और उसके साथ-साथ आने वाली जनरेशन के लिये वह प्रेरणा का स्रोत भी है लेकिन आज वह शख्स जो हमारा पहला राष्ट्रपति था, जिसके मकान को गवर्नमेंट आफ इंडिया ने नेशनल मॉन्यूमेंट डिक्लेयर किया दिसम्बर, 1992 में, आज उस मकान की ऐसी खस्ता हालत है कि जिसको लपजों में बचान नहीं किया जा सकता है।

वह कमरा जहाँ पर कभी महात्मा गांधी रहे, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रहे और आजादी की जंग के अनेकों जांबाज सिपहसालार रहे आज उन कमरों की खिड़कियां टूटी हुई हैं, और जिस चारपाई पर, जिस पलंग पर महात्मा गांधी सोये थे, वह पलंग टूटा हुआ है और उसके ऊपर डस्ट का कवर है। उस मकान में भांग के पीछे उगे हुये हैं।

महोदया, पहले-पहल एक करोड़ रुपये उस मॉन्यूमेंट को रिजर्व करने के लिये गवर्नमेंट आफ इंडिया ने दिया और उसकी चारदीवारी वार-फूटिंग पर बनाई गई लेकिन 31 दिसम्बर, 1992 को यह सारा काम बन्द कर दिया गया और आज हमारे पहले राष्ट्रपति का आबाई मकान खस्ता हालत में पड़ा हुआ है, मैं आपकी मारफत गवर्नमेंट से यह दरखास्त करना चाहता हूँ कि सारी दुनिया में जो नेशनल मॉन्यूमेंट्स हैं, उनको प्रिजर्व करके कौम के आसासे को याद रखा जाता है और उससे प्रेरणा ली जाती है लेकिन ये हिन्दुस्तान में कौसी बात है कि वह राजन बाबू, जिन्होंने आजादी की जंग में एक बहुत बड़े सिपहसालार का रोल अदा किया, जो हमारे पहले राष्ट्रपति थे, उनके मकान को नेशनल मॉन्यूमेंट डिक्लेयर

करने के बाद भी आज वह मकान खस्ता हालत में है। जहां राजन बाबू रहते थे, वहां पर आज बिल्डिंग मेटिरियल का गोडाऊन बना हुआ है। महात्मा गांधी जिस कमरे में रहते थे, वहां पर पशु बांधे जाते हैं। यह हमारे लिए शर्म की बात है। मैं सरकार से इस बात के लिए दख्खास्त करूंगा कि कौम के इस आसामे को बरकरार रखने के लिए फौरी कार्रवाई की जाए और जो एक करोड़ रुपया इस बात के लिए सैंक्शन किया गया है, उसको फौरी तौर से हाथ में लेकर इस मॉन्यूमेंट को प्रिजर्व किया जाए यह मेरी आपके माध्यम से दख्खास्त है।

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : महोदया, मैं भी इससे अपने को एसोसिएट करता हूं और चाहता हूं कि इस पर तुरन्त कार्रवाई की जाए :

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh); I consider it my sad duty to associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member. We really did not know about it. Rajen Babu was not only among our tallest leaden, but was also among our noblest leader\*. He was not merely the first President, but was the foremost among our leaders, the native home of Rajen Babu, which was declared as a national monument, has been so sadly neglected. It reflects on all of us, not only on the Government.

Therefore, I request the Chair to direct the Government to come forth with its reaction and a plan to see that the monument is properly kept up.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर वल्लभ)  
सदर साद्विबा, जिस किस्म के हादसे का

जिन्ना आनरेबल मंत्री ने किया है, बद-किस्मती है हमारे राष्ट्रीय सीन में इस किस्म के हादसे रोख के हादसे हैं। जयपाल रेड्डी साहब ने टालेस्ट, नोबलेस्ट कहा डाक्टर साहब को। वाक्या यह है कि उनके कंध के बराबर बहुत सारे नाम इस मुल्क में इतने लिए जाते हैं कि पूरे मुल्क का माहोल उन नामों की गूंज से भरा हुआ है। लेकिन इस किस्म के लोगों को हमने कि। खूबी के साथ भुला रखा है कि यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि डा. राजेन्द्र प्रसाद के लिए कितना कुछ कहा जाए, कितना कुछ किया जाए। सवाल सिर्फ एक गांव के एक घर का नह है, सवाल यह है कि क्या इस मुल्क ने, क्या इस कौम ने डा. राजेन्द्र प्रसाद को उन की हैसियत के मुताबिक आज भी याद किया या नहीं और यह एक डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद की बात नहीं है, आज भी आधे दर्जन वह नेता हैं जो इस मुल्क में कद्दावरतरीन लोगों के मुकाबले में भी कद्दावर थे, उनको हम भुला रहे हैं। ऐसे ऐसे लोगों के नामों की गूंज इस मुल्क में छा गई है कि जिनका नाम लेना दुश्वार हो गया है। मैं न सिर्फ अपने आप को एसोसिएट करता हूं जो मेरे दोस्त ने कहा, लेकिन डाक्टर साहब को याद करने के लिए केवल उनके गांव के घर का सवाल नहीं है, डाक्टर साहब को इस मुल्क को डाक्टर साहब की हैसियत के मुताबिक याद करना चाहिए, हिन्दुस्तान के चप्पे चप्पे पर याद करना चाहिए और इस किस्म के लोगों की यादों से इस मुल्क में गूंज उठा देनी चाहिए। मुझे यही अर्ज करना है।

شری سکندر بخت "مدھیہ پریش" :  
صدر صاحب جس قسم کے حادثہ کا ذکر آئندہ بلیمبر  
صاحب نے کیا ہے بد قسمتی سے ہماری راشٹر  
سین میں اس قسم کے حادثے روز کے حادثے میں

جے پل ریڈی صاحب نے ٹیلیسٹ۔ ٹوبلیسٹ  
 کہا ڈاکٹر صاحب کو۔ واقعہ یہ ہے کہ ان کے  
 قدم کے برابر بہت سارے نام اس ملک میں  
 اتنے بڑے جاتے ہیں کہ پورے ملک کا ماحول  
 ان ناموں کی گونج سے بھرا ہوا ہے لیکن اس  
 قسم کے لوگوں کو ہم نے کس خوبی کے ساتھ  
 بھلا رکھا ہے کہ یہ سوچنے کے لئے تیار نہیں  
 ہیں کہ ڈاکٹر راجندر پر ساد کے لئے کتنا کچھ  
 کہا جاتے۔ کتنا کچھ کیا جاتے۔ سوال صرف  
 ایک گاؤں کے ایک گھر کا نہیں ہے۔ سوال  
 یہ ہے کہ کیا اس ملک نے۔ کیا اس قوم نے  
 ڈاکٹر راجندر پر ساد کو ان کی حیثیت کے مطابق  
 کج بھی یاد کیا یا نہیں اور یہ ایک ڈاکٹر  
 راجندر پر ساد کی بات نہیں ہے آج بھی  
 آدھے درجن وہ نیتا ہیں جو اس ملک میں  
 قدر آور ترین لوگوں کے مقابلے میں بھی قدر  
 تھے۔ ان کو ہم بھلا رہے ہیں۔ ایسے ایسے  
 لوگوں کے ناموں کی گونج اس ملک میں چھا  
 گئی ہے کہ جن کا نام لینا دشوار ہو گیا ہے  
 میں نہ صرف اپنے آپ کو ایسوسی ایٹ کرتا  
 ہوں جو میرے دوست نے کہا۔ لیکن  
 ڈاکٹر صاحب کو یاد کرنے کے لئے کیوں  
 ان کے گاؤں کے گھر کا سوال نہیں ہے۔  
 ڈاکٹر صاحب کو اس ملک کو ڈاکٹر صاحب  
 کی حیثیت کے مطابق یاد کرنا چاہیے۔

جے پل ریڈی صاحب نے ٹیلیسٹ۔ ٹوبلیسٹ  
 کہا ڈاکٹر صاحب کو۔ واقعہ یہ ہے کہ ان کے  
 قدم کے برابر بہت سارے نام اس ملک میں  
 اتنے بڑے جاتے ہیں کہ پورے ملک کا ماحول  
 ان ناموں کی گونج سے بھرا ہوا ہے لیکن اس  
 قسم کے لوگوں کو ہم نے کس خوبی کے ساتھ  
 بھلا رکھا ہے کہ یہ سوچنے کے لئے تیار نہیں  
 ہیں کہ ڈاکٹر راجندر پر ساد کے لئے کتنا کچھ  
 کہا جاتے۔ کتنا کچھ کیا جاتے۔ سوال صرف  
 ایک گاؤں کے ایک گھر کا نہیں ہے۔ سوال  
 یہ ہے کہ کیا اس ملک نے۔ کیا اس قوم نے  
 ڈاکٹر راجندر پر ساد کو ان کی حیثیت کے مطابق  
 کج بھی یاد کیا یا نہیں اور یہ ایک ڈاکٹر  
 راجندر پر ساد کی بات نہیں ہے آج بھی  
 آدھے درجن وہ نیتا ہیں جو اس ملک میں  
 قدر آور ترین لوگوں کے مقابلے میں بھی قدر  
 تھے۔ ان کو ہم بھلا رہے ہیں۔ ایسے ایسے  
 لوگوں کے ناموں کی گونج اس ملک میں چھا  
 گئی ہے کہ جن کا نام لینا دشوار ہو گیا ہے  
 میں نہ صرف اپنے آپ کو ایسوسی ایٹ کرتا  
 ہوں جو میرے دوست نے کہا۔ لیکن  
 ڈاکٹر صاحب کو یاد کرنے کے لئے کیوں  
 ان کے گاؤں کے گھر کا سوال نہیں ہے۔  
 ڈاکٹر صاحب کو اس ملک کو ڈاکٹر صاحب  
 کی حیثیت کے مطابق یاد کرنا چاہیے۔

श्री इकबाल सिंह (पंजाब) : मैडम, मैं  
 कटारिया जी ने जो स्पेशल मेशन किया है  
 उससे अपने को एसोशियेट करता हूँ और  
 कहना चाहता हूँ कि जहाँ पर महात्मा  
 गांधी जी रहे हैं, सुभाषचन्द्र बोस रहे हैं,  
 ऐसे बड़े बड़े नेता जो राष्ट्र के नेता थे  
 वहाँ पर तो पूजा का स्थान बनाना  
 चाहिए। इस ढंग से हमें देश को, देश के  
 लोगों को बताना चाहिए कि ऐसे हमारे  
 नेता थे, ऐसी उनकी पोजिशन थी।  
 इस ढंग से जब हमारे देश के नौजवानों  
 को मालूम होगा, उनको बताया जाएगा  
 तो उनको पता चलेगा कि हमारे नेता  
 कितने बड़े हुए थे। इससे देश में एक  
 अच्छा वातावरण बनेगा।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर  
 प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, इस  
 महत्वपूर्ण विषय पर श्री कटारिया जी  
 ने जो इस सदन का ध्यान आकर्षित किया  
 है, उससे मैं अपने आपको संबद्ध करता हूँ।  
 महोदया इस सदन में कई बार पिछले दो  
 तीन सालों में यह मामला उठा है।  
 जहाँ पर राजेन्द्र बाबू पैदा हुए थे, वह  
 सही मायने में देश के दो बार राष्ट्रपति  
 रहने के बाद उनको जाकर सदाकत आश्रम में  
 रहना पड़ा। इतने ऊँचे पद पर रहने के  
 बाद भी उनको अपना कोई मकान नहीं  
 था। सदाकत आश्रम में उनको रहना  
 पड़ा। तो मेरा आपसे यह निवेदन है कि  
 आप कृपया अपनी पीठ से सरकार को  
 निर्देश दीजिए कि इस बारे में वह तुरन्त  
 कार्यवाही करे। जब तक आप निर्देश नहीं  
 देंगे तब तक यह सरकार कुछ करने  
 वाली नहीं है।

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल)  
माननीय उपसभापति महोदया, माननीय  
सदस्य ने जो प्रस्ताव रखा है मैं उससे  
अपने आप को संतुष्ट करती हूँ। कोई भी  
वर्तमान में रहने वाली पीढ़ी अपने इतिहास  
को, अपनी विरासत को, अपने उज्ज्वल  
ऐतिहासिक तथ्यों को भूल जाती है तो  
भविष्य उसका दाँत भी उज्ज्वल नहीं  
हो सकता। यह हमारा दुर्भाग्य है कि  
जिस तरह से हमारे इतिहास, हमारी  
संस्कृति का क्षरण हो रहा है उस क्षरण  
के चलते हम अपने इतिहास को, उसके  
उज्ज्वल पक्ष को भूलते जा रहे हैं।

उपसभापति महोदया, कुछ दिन पहले  
मैंने इसी हाउस में जिक्र किया था कि  
ऐसे हादसे केवल माननीय राजेन्द्र प्रसाद  
जी के माय नहीं हुए, कुछ दिन पहले मैंने  
याद दिलाया था कि हमारे देश के प्रमुख  
कवि सुमित्रानन्दन पंत के गांव को मैंने  
देखा। उस गांव में जहाँ एक स्कूल बनाया  
गया वहाँ पर एक भी अध्यापक नहीं  
है। सम्माननीय सुमित्रानन्दन पंत की  
पत्नी ने कहा कि मैं चाहती हूँ कि मेरे घर  
में कोई भी साहित्यकार पैदा न हो।  
अगर सुमित्रानन्दन पंत जैसे साहित्यकार  
की पत्नी यह कहने को विवश हो जाती है  
तो आप अनुमान लगा सकते हैं...

श्री विष्णु लाल शास्त्री : यह बिल्कुल  
गलत बात है। सुमित्रानन्दन पंत अवि-  
वाहित थे। मैं उनको बचपन से जानता  
हूँ।...

1.00 P.M.

श्री श्री उता रायचंदी : उपसभापति-  
महोदया, मैं यह रिकार्ड में लाना चाहती  
हूँ।... (व्यवधान)

डा. मुरली मनोहर जोशी : (उत्तर  
प्रदेश) : यह महान साहित्यकार का अप-  
मान है। सुमित्रानन्दन पंत जी अविवाहित  
थे... (व्यवधान) यह जो उन्होंने कहा  
है यह बिल्कुल गलत बात कही है।...  
(व्यवधान)

श्रीमती सरला माहेश्वरी : मेरी बात  
तो सुन लीजिए।... (व्यवधान) मैं  
आपको बताना चाहती हूँ कि कुछ दिन  
पहले दूरदर्शन के "परछाई" कार्यक्रम में  
उनके बारे में बताया गया था। उसमें  
उनकी पत्नी की दिखाया गया था...  
(व्यवधान)

डा. मुरली मनोहर जोशी : यह  
बिल्कुल सरासर गलत है।... (व्यवधान)

श्रीमती सरला माहेश्वरी : यह विवाद  
पैदा कर रहे हैं... (व्यवधान)

उपसभापति : सरला जी, सवाल का  
जो असली मुद्दा है वह उसमें हट जाता  
है जब आप दूसरे लोगों को जोड़ती हैं।  
मैं नहीं समझती यह उचित है कि राजेन्द्र  
बाबू के मुकाबले में हम किसी को भी  
लायें। यह सही है वह लेखक है, पत्रकार  
है, जो भी हैं, उनकी अपनी एक गरिमा  
है। उनको अपनी जगह है। उनका भी  
जरूरी ख्याल रखना चाहिए। आज हाउस  
में जो कटारिया जी ने मामला उठाया है  
वह हमारे राजेन्द्र प्रसाद जी के बारे में है  
जो हमारी आजादी के बहुत बड़े नेता थे।  
उस महान नेता के बारे में बात करिए  
ताकि जो विषय जिस पर हम चर्चा कर  
रहे हैं वह डाइस्टूट न हो जाए। आपने  
इसमें एंजोशिएट किया मैंने आपको नोट

कर लिया। मैंने सरकार को यह कहना जाहूँगी। मारग्रेट जी आप भी सुन लीजिए और सरकार को इस बात के लिए कहिए कि राजेन्द्र प्रसाद जी के बारे में जो कटारिया जी ने ध्यान दिलाया है हाउस का कि उनके मकान की हालत खराब है ... (व्यवधान)

I am very sorry that you wanted to associate yourself with it and then you are fighting on that issue. That is over. Whether he was married or not, it was his problem. . . . (Interruptions >.. I am not allowing you. Please don't dilute that. Please sit down. I am not allowing it.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI: Madam, I want to correct it. I am sorry, instead of Sumitra Ts'andan Pant, it should be Phanishwar Nath Renu. I was having his name in mind but I forgot that. It is the well know writer, Phanishwar Nath Renu, instead of Sum'tra Nandan Pant. I am sorry... (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Quiet, please. I again say, when we are discussing a leader like Rajendra Prasadji, no other person should be referred to. It is a serious matter. The Government should take whatever measures it can and do whatever is necessary for his house. The request which is made by Mr. Kataria should be taken very seriously. Now, that matter is over.

आप बंगलिया मगर सोच कर बोलिए कि क्या बोल रही हैं।

श्रीमती सरला माहेश्वरी : माननीय उपसभापति महोदय,...

श्री कैलाश नारायण सारंग : दो-दो मिनिस्टर बैठे हुए हैं मैं एक शेर सुनाता

चाहता हूँ। ... (व्यवधान)

उपसभापति : ठीक है सुनाइए।

श्री कैलाश नारायण सारंग : कांग्रेस वालों आप भी सुन लीजिए।

इनके कंधों पर चढ़ कर याजादी आई, इन सब की याद हमने बहुत गहरी दफनाई।

उपसभापति : कैलाश जी अगर आप सही खैया हाउस में रखे तो न समझनी है हाउस की कार्रवाई बड़ी सुरीली चलेगी। ... (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : उनकी आवाज आपको पसंद आयी ऐसा लगता है।

श्री त्रिलोकी नाथ जतुवेंदो : ओपास वालों के साथ फेबरेटिज है आपका।

उपसभापति : सही बात है, मेरे साथ पढ़े हुए हैं।

श्री प्रमोद महाजन : अब समझ में आया कैलाश जी ऐसा क्यों बोलते हैं, आपका प्रभाव है।

Demand to RID Aligarh Muslim University of anti-social elements

श्रीमती सरला माहेश्वरी : (पश्चिम बंगाल) माननीय उपसभापति महोदय नै सदन और सरकार का ध्यान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की ओर दिलाना चाहती हूँ। महोदय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय हमारे देश का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान रहा है। और पिछले दो-